रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर सजा बाजार, जमकर हुई खरीदी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 अगस्त। रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर शहर के बाजार इन दिनों गुलजार नजर आ रहे हैं और ग्राहकों की भीड़ देखकर दुकानदार काफी खुश है। वहीं रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर बाजार में काफी आधुनिक राखियां देखी जा रही है। शहर के बाजार मे राखी की दुकानों की चमक दूर से ही दिखाई दे रही है। बाजार में बच्चों की कार्टून और लाइट से सजी हुई विभिन्न प्रकार की राखियां खूब लुभा रही हैं। वहीं, बाजार में बहनें अपने भाइयों के लिए राखी के त्यौहार को लेकर विशेष राखी खरीदने के साथ साथ अलग अलग तैयारियों में जुटी हुई हैं।

रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर बाजार सज गए हैं और बाजार में राखी की कई प्रकार की वैरायटी उपलब्ध है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने को लेकर जमकर खरीददारी कर रही है। विक्रेता ने बताया कि बाजार में 5 रूपये से लेकर सैंकड़ों की कीमत तक की राखियां उपलब्ध हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि ऑनलाइन शॉपिंग ने बाजार जरूर प्रभावित किया है। फिर भी बीते दो दिन से बाजार में अच्छी रौनक है और ग्राहक भी राखी खरीदने आ रहे हैं। बहनें अपने भाइयों के लिए राखियां खरीद रही हैं।

प्राचीन इतिहास भी जुड़ा है इस अटूट बन्धन से:- आज भाई-बहन के प्यार का त्यौहार रक्षाबंधन पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इसके लिये बाजार भी गुलजार हो गया है। हर प्रकार की राखियां बाजार में मौजूद है, वहीं चाइनीज राखियों की भी भरमार है। बाजार में पांच रूपये से लेकर 250 रूपये तक की राखियां मौजूद हैं।

कब क्या होता है- इस बात के प्रमाण है कि भारत में यह पर्व

सावन शुक्ल पंचमी, सावन की पूर्णमासी और भादों सुदि पंचमी को भी मनाया जाता रहा है। इन सब में सावन की पूर्णिमा मुख्य है। पूर्णिमा के दिन ग्रहण, प्राकृतिक उत्पाद, राष्ट्रीय विपत्ती आदि हो तो उक्त तिथियों में या कभी भी किसी निश्चित दिन राखी बांधी जा सकती है। गर्ग संहिता और वैदिक परिशिष्ट में ऐसा साफ कहा है।

आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व- आध्यात्मिक, धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व रखने वाला यह त्यौहार भाई के प्रति बहिन के पवित्र स्नेह एवं रक्षा हेतु मनाया जाता है। यह त्यौहार सब रोगों का नाशक तथा सब अशुभों को नष्ट करने वाला है। इसको देवराज इंद्र की जीत के लिये इंद्राणी ने अपनाया था, जिससे उसकी दोनों लोकों में विजय हुई। इस प्रकार रक्षाबंधन का यह त्यौहार विजय, सुख, पुत्र, पौत्र, धन और आरोग्य देने वाला है। रक्षाबंधन का सामान्य अर्थ किसी को अपनी रक्षा के लिये बांध लेना ही समझा जाता है। भाई को राखी बांधते समय बहन यही अपेक्षा करती है कि वह सब प्रकार से उसकी रक्षा करे। भारत के इतिहास में रक्षा बंधन का सबसे पहला साक्ष्य रानी कर्मावती व हुमायु है। मध्यकालीन युग में राजपूत और मुस्लिमों के बीच युद्ध चल रहा था। रानी कर्मावती चित्तौड़ के राजा की विधवा थीं। उस दौरान गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह से अपनी व अपनी प्रजा की सुरक्षा का कोई रास्ता न निकलता देख रानी ने हुमायुं को राखी भेजी थी। तब हुमायुं ने उनकी रक्षा कर उन्हें बहन का दर्जा दिया था। दूसरा उदाहरण अलेक्जेंडर और पुरू के बीच माना जाता है कहा जाता है कि हमेशा विजयी रहने वाला अलेक्जेंडर भारतीय राजा पुरू की प्रखरता से काफी विचलित हुआ। इससे अलेक्जेंडर की पत्नी काफी दबाव में आ गई थी। उसने रक्षाबंधन के त्यौहार के बारे में सुना था प्रभावित अलेक्जेंडर की पत्नी ने इस दिन पुरू को अपनी राखी भेजी थी और उसी दिन से पुरू ने अलेक्जेंडर की पत्नी को अपनी बहिन मान लिया। इतिहास का एक और उदाहरण कृष्ण और द्रोपदी का भी माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण ने दुष्ट राजा शिशुपाल को मारा था। युद्ध के दौरान कृष्ण के बाएं हाथ की अंगुली से खून बह रहा था। जिसे देखकर द्रोपती बेहद दुखी हुई और उन्होंने अपनी साड़ी का टुकड़ा चीर कर कृष्ण की अंगुली से बांधा जिससे उनकी अंगुली का खून बहना बंद हो गया। उसी समय से कृष्ण न द्रोपदी को अपनी बहिन स्वीकार कर लिया। वर्षों बाद पांडव द्रोपती को जुए में हार गये थे। भरी सभा में उनका चीर हरण हो रहा था तब कृष्ण ने अपनी बहिन द्रोपदी की लाज बचाकर अपने भाई का फर्ज अदा किया था।

नगर से पकड़े गए गोवंशों को भेजा गया झिन्ना धाम की गौशाला

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 7 अगस्त। अजयगढ़ में नगर से आवारा पशुओं को हटाने के लिए नगर परिषद द्वारा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत आवारा पशुओं गोवंशों को चिन्हित करके नगर परिषद के द्वारा कई बार पकड़ कर कृषि फार्म हाउस स्थित गौशाला में रखा गया था।

कृषि फार्म की गौशाला जो नगर के अंदर है उसमें सीमित गोवंशों को रखने की जगह है नगर परिषद के द्वारा कई बार गोवंशों को पड़कर वहां पर रखा गया था वहां पर क्षमता ना होने के कारण नगर परिषद सी एम ओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि पकड़े गए गोवंशों को अब कृषि फार्म की गौशाला से झिन्ना धाम की गौशाला भेजा गया है क्योंकि यहां पर क्षमता कम है और झिन्ना धाम की गौशाला में अधिक पशुओं को रखने की क्षमता है जिससे पकड़े गए गोवंशों को वहां भेज दिया गया है अब नगर की सड़कों व नगर के अंदर आवारा पशुओं को पकड़ा जाएगा अभियान चलाकर गोवंशों को फिर से पकड़ कर कृषि फार्म के गौशाला में रखा जाएगा सी एम ओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि नगर में जब भी आवारा गोवंश पशुओं को देखा जाएगा उन्हें तुरंत पकड़ कर गौशालाओं में पहुंचाया जाएगा यह अभियान निरंतर चलता रहेगा।

एनसीसी व एनएसएस के विद्यार्थियों ने हर घर तिरंगा अभियान में लिया हिस्सा

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अगस्त। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर जिला पन्ना के आदेश अनुसार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस डी चतुर्वेदी के नेतृत्व में छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना के एनसीसी एवं एन एस एस के कैडेट्स ने हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता: स्वतंत्रता का उत्सव - स्वच्छता के संग।

अभियान की शुरुआत संस्था के प्राचार्य द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली रवाना की गई। इस जागरूकता रैली को रवाना करने में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ जेके वर्मा, डॉ आर एम दत्ता एवं सहायक प्राध्यापक डॉ आनंद चैरसिया, डॉ सचिन गोयल, डॉ बी एन जायसवाल, डॉ पीयूषा शर्मा एवं कार्यालय सहायक रावेश कुमार उपस्थित रहे। छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना से जिला सहकारी बैंक, केंद्रीय विद्यालय तिराहा, ब्लॉक तिराहा, सिविल लाइन होते हुए पुलिस परेड ग्राउंड पन्ना तक महाविद्यालय के विद्यार्थी गगन भेदी नारों के साथ तिरंगा रैली में सहभागिता किए।

इस रैली में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट सिद्धू सिंह, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ डीपी कुशवाहा एवं महिला एनएसएस अधिकारी डॉ रचना गुप्ता का विशेष योगदान रहा। रैली के अंत में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट सिद्धू सिंह द्वारा विद्यार्थियों को तिरंगा रैली का महत्व एवं हर घर तिरंगा के साथ स्वच्छता पर जोर देने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस रैली में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में छात्रवृत्ति के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अगस्त। कलेक्टर सुरेश कुमार ने जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों का नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) करवाने के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सहित समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य तथा अनुसूचित जाति व जनजाति महाविद्यालय, उत्कृष्ट एवं सीनियर छात्रावास के समस्त अधीक्षक को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

भारत सरकार के निर्देशानुसार यह कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण की जाना है। कक्षा 9वीं से महाविद्यालय स्तर तक अध्ययनरत अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों, जिन्हें केन्द्र प्रवर्तित प्री व पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त होता है, उन्हें वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पोर्टल पर ओटीआर कराना आवश्यक है। एक बार ओटीआर नंबर मिल जाने के उपरांत भविष्य में आगामी कक्षाओं में इसी नंबर के आधार पर छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। पृथक से ओटीआर की आवश्यकता नहीं होगी। प्रभारी जिला संयोजक जय प्रताप भदौरिया ने बताया कि ओटीआर प्रक्रिया दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण में विद्यार्थियों को पोर्टल की वेबसाइट से अथवा मोबाइल पर एनएसपी ओटीआर मोबाइल एप डाउनलोड कर एवं आवश्यक जानकारी भरकर रेफरेंस नंबर प्राप्त करना होगा, जबकि द्वितीय चरण में ओटीआर एप एवं आधार फेस आरडी सर्विस एप डाउनलोड कर रेफरेंस नंबर के माध्यम से ओटीआर नंबर प्राप्त करना होगा। एमपी टॉस पोर्टल पर छात्रवृत्ति के लिए आवेदन के दौरान ओटीआर नंबर दर्ज करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों की संख्या के दृष्टिगत समय सीमा में कार्यवाही पूर्ण करने के संबंध में वांछित निर्देश भी प्रसारित किए गए हैं, जिसके तहत सभी हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी प्राचार्य, महाविद्यालय प्राचार्य और छात्रावास की पृथक-पृथक बैठक के माध्यम से ओटीआर प्रक्रिया की जानकारी से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जिससे विद्यार्थियों को आसानी से जानकारी प्राप्त हो सके। विशेष अभियान संचालित कर स्कूल से दो शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए भी कहा गया है। सभी स्कूल में कक्षावार प्रवेशित जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों से ओटीआर नंबर की सूची भी संधारित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रतिदिन की प्रगति से अवगत कराएं

कलेक्टर श्री कुमार ने कहा है कि पात्र विद्यार्थियों का 15 अगस्त के पूर्व ओटीआर संबंधी कार्यवाही पूर्ण की जाए। साथ ही प्रतिदिन शाम को इसकी प्रगति से भी अवगत कराएं। छात्रावास में प्रवेशित विद्यार्थियों के ओटीआर का दायित्व छात्रावास अधीक्षक का होगा। अधीक्षक द्वारा विद्यार्थियों के प्रोफाइल पंजीयन के साथ ओटीआर नंबर भी प्रवेश पंजी में संधारित किया जाएगा। ओटीआर के लिए विद्यार्थी का आधार नंबर, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा आधार लिंक बैंक खाता भी सक्रिय होना अनिवार्य है। इसकी जानकारी भी पालकों को पहले से प्रदान करना होगी। नियमित रूप से ओटीआर प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी। जिला कलेक्टर द्वारा प्रत्येक शिक्षण संस्थान और छात्रावास में ओटीआर प्रक्रिया की प्रतियों के वितरण तथा सूचना पटल पर जानकारी चस्पा करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने सचिव एवं रोजगार सहायकों की ली बैठक

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अगस्त। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी ने आज पन्ना विकासखण्ड अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों की बैठक लेकर प्रगतिरत कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

जिला पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत पन्ना के सभाकक्ष में संपन्न हुई बैठक के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन सहित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण, समग्र ई-केवायसी, पेंशन ई-केवायसी, संबल योजना के कार्य तथा ग्राम पंचायत की प्रगति की समीक्षा की। जिपं सीईओ ने समस्त कार्यों में न्यून प्रगति वाली ग्राम पंचायतों देवरी, उमरी, समाना, इटवांखास, बृजपुर, कृष्णा कल्याणपुर, सकरिया एवं फुलवारी को आगामी सोमवार के पूर्व समस्त योजनाओं के कार्यों में अपेक्षित सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित समयावधि में अपेक्षित प्रगति न होने पर कार्यवाही की चेतावनी भी दी। जिला पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत सीईओ पन्ना को न्यून प्रगति वाली ग्राम पंचायतों की प्रति सप्ताह समीक्षा के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में उपयंत्री एवं पंचायत समन्वयक अधिकारियों के सेक्टर के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर अग्रिम भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तुत करने तथा प्रति दिवस ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर संपादित कार्यों की जानकारी से अवगत कराने के लिए कहा। साथ ही निर्धारित दौरा कार्यक्रम अनुसार भ्रमण के उपरांत ही वेतन आहरण तथा सेक्टर में अपेक्षित प्रगति न होने पर नियमानुसार कार्यवाही का प्रस्ताव प्रेषित करने की बात कही।

विद्यार्थियों को प्रदान की गई नि :शुल्क साइकिल

नवभारत न्यूज

पवई/पन्ना 7 अगस्त। मध्य प्रदेश शासन की योजना के अनुसार और शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु अति महत्वपूर्ण योजना निशुल्क साइकिल वितरण के तहत बीते सत्र 2024-25 में कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले एवं कक्षा 10 में सांदीपनि विद्यालय पवई में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को शासन के निर्देश अनुसार साइकिल का वितरण किया गया।

गुरुवार को विद्यालय परिसर में एक गरिमामई समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें प्रदेश कार्य समिति सदस्य पुष्पेंद्र पटेल,मंडल अध्यक्ष निधि पटेरिया मुख्य अतिथि के रूप में रही,उनकी उपस्थिति में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले 20 छात्राओं एवं 66 छात्रों कुल 86 विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल वितरित की गई।

धूमधाम से मनाया जाएगा जन्माष्टमी महोत्सव

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अगस्त। पन्ना विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह के सार्थक प्रयासों की बदौलत संस्कृति एवं पर्यटन विभाग द्वारा पन्ना के हरछठ एवं जन्माष्टमी महोत्सव को मध्यप्रदेश की राज्य सूची में शामिल किया गया है।

अब आगामी 14 अगस्त को बलराम जयंती पर भगवान बल्दाऊ के जन्म दिवस और 16 अगस्त को जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। विगत 29 मई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पन्ना नगर आगमन पर स्थानीय विधायक द्वारा परंपरागत भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा एवं हरछठ पर्व को संस्कृति विभाग के कैलेण्डर में शामिल करने की मांग की गई थी। इसके फलस्वरूप अब संस्कृति विभाग द्वारा गरिमामय एवं उल्लासपूर्वक आयोजन का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। आमजनों ने भी पन्ना विधायक के इस प्रयास की सराहना की है।

ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण 11को

पन्ना 7 अगस्त। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की उपस्थिति में सोमवार, 11 अगस्त को अपरान्ह 5 बजे कलेक्टेऊट स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया जाएगा। इस अवसर पर राजनैतिक दल के अध्यक्ष एवं सचिव से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

बलराम जयंती पर पहली बार आयोजित होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

कलेक्टर सुरेश कुमार ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए सौंपी जिम्मेदारी

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अगस्त। इस वर्ष पहली बार बलराम जयंती के अवसर पर श्री बल्देव जी मंदिर परिसर पन्ना में 14 अगस्त को संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 16 अगस्त को जन्माष्टमी पर्व पर श्री जुगल किशोर मंदिर प्रागण पन्ना में पूर्व वर्ष की भांति श्री कृष्ण पर्व का आयोजन भी किया जाएगा।

इस मौके पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में आमंत्रित कलाकारों द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। श्री बल्देव जी के जन्मोत्सव हरछठ पर्व पर छतरपुर की कलाकार कमला लोधी भक्ति गायन, सीधी के कलाकार लाल बहादुर घासी द्वारा घसिया बाजा एवं स्वप्निल मैलोडी ग्रुप जबलपुर बैंड के कलाकारों द्वारा भक्ति गायन प्रस्तुत किया जाएगा। इस क्रम में जन्माष्टमी पर आयोजित श्री कृष्ण पर्व पर सागर के अमित घारू बधाई एवं बरेदी लोकनृत्य तथा टीकमगढ़ के पवन तिवारी द्वारा भक्ति गायन प्रस्तुत किया जाएगा।

कलेक्टर सुरेश कुमार ने उक्त दोनों कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अशोक चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, जबकि पुलिस अधीक्षक सहित अनुविभागीय दण्डाधिकारी पन्ना, तहसीलदार पन्ना, मनरेगा के परियोजना अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी एवं यातायात थाना प्रभारी को भी आवश्यक व्यवस्थाओं का दायित्व सौंपा गया है।

समस्त अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन तथा मिलिंद त्रिंबके 9425374853 से समन्वय कर गरिमामय कार्यक्रम आयोजन के संबंध में निर्देशित किया गया है।

लाड़ली बहनों को मिली अगस्त माह की सहायता राशि

पन्ना 7 अगस्त। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की महिला लाभार्थियों को 27वीं किश्त की 1250 रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। इसके अलावा बतौर रक्षाबंधन शगुन बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त राशि का भी अंतरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा गैस सिलेंडर रीफिलिंग की सहायता राशि का हस्तांतरण भी किया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी व्हीसी कक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी सहित बाल विकास परियोजना अधिकारी पन्ना शहरी, सेक्टर पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं व योजना की लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं।

जनसंख्या वृद्धि के अनुसार रोजगार संसाधनों का अभाव, बेरोजगारी में हुई बढ़ोत्तरी

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 अगस्त। प्रदेश की तरह जिले की जनता भी लगातार बढ़ती जा रही है लेकिन जनसंख्या के अनुसार संसाधनों की बढ़ोत्तरी की बजाय लगातार कमी होती जा रही है। जिस कारण बेरोजगार महानगरों में रोजगार की तलाश में लगातार कूच कर रहे हैं। जिले की जनसंख्या जिस रफ्तार से बढ़ रही है 2025 में अनुमानित जनसंख्या लगभग 12 लाख पहुंची है। उस अनुपात से न तो जिले में रोजगार के संसाधन बढ़े और न आय के स्त्रोत।

जिस कारण गरीब और गरीब होता जा रहा है तथा अमीर और अधिक अमीर हो रहा है। जिस कारण अमीरी और गरीबी की खाई गहरी होती जा रही है। जनसंख्या बढ़ने के अनुसार उसी के अनुपात में गरीबी भी बढ़ रही है। जिले की जनसंख्या बढ़ने के साथ ही संसाधनों का अभाव भी बन रहा है। खासतौर से भूमि को लेकर सबसे ज्यादा असमानता निर्मित हो गई है। एक परिवार में जहां पहले जितने सदस्य रहते थे उसके अनुपात में सदस्यों की संख्या बढ़ रही है। जबकि भूमि का रकवा पुराना ही है इस वजह से खेती- किसानी का कार्य भी अब लाभ का धंधा काफी परिवारों के लिए नहीं रह गया है। जिले में गरीबी का प्रतिशत बढ़ने के पीछे मुख्य वजह यह भी है कि यहां रोजगार के अवसर न के बराबर हैं। काम धंधा न मिलने के कारण लोगों को आजीविका की तलाश में अन्य राज्यों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। रोजगार-धंधा न मिलने के कारण पढ़े-लिखे युवक भी अपनी प्रतिभा नहीं दिखा पा रहे हैं। बड़ी-बड़ी डिग्री लेकर युवा घर में खाली बैठने के लिए मजबूर हैं। शासन द्वारा भी पन्ना जिले में बड़े उद्योग धंधों की स्थापना को लेकर पूरी तरह से निष्क्रिय है। पन्ना जिला खनिज संसाधनों के मामले में काफी संपन्न है। यहां खनिज आधारित बड़े उद्योग धंधे लग सकते हैं। यदि जिले की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो एक दशक बाद इसके काफी विस्फोटक परिणाम सामने आ सकते हैं। रोजगार, धंधों के लिए जो भटकाव बना हुआ है यदि उसके लिए भी गंभीरता के साथ जन प्रतिनिधियों द्वारा प्रयास नहीं किए गए तो निश्चित ही आने वाले समय में गरीबी का प्रतिशत और भी ज्यादा बढ़ जाएगा। इसको लेकर पन्ना जिले के प्रबुद्ध लोगों में काफी चिंता देखी जा रही है। गरीबी एवं अति गरीबी से पीड़ित 70 प्रतिशत परिवार किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करने तक ही सीमित हैं। ऐसे परिवार चाह कर भी अपने परिवार की खुशहाली के लिए कोई बड़ा कार्य नहीं कर पा रहे हैं।

जनसंख्या के मुकाबले नहीं बढ़ रहे संसाधन:- जिले में जिस रफ्तार से जनसंख्या बढ़ रही है उसके अनुसार संसाधन नहीं बढ़ रहे हैं। सबसे बड़ी जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान की है। इसके लिए परिवार अपना जीवन जिले में रहते हुए खपा देता है लेकिन उसके हांथ कुछ नहीं आता है परिवार के भरण- पोषण के लिए सबसे बड़ी जरूरत भोजन है। इसके व्यवस्था में ही जिले की अधिकांश आबादी परेशान देखी जाती है। परिवार के भरण-पोषण एवं आवश्यक जरूरतों के लिए लोग भटकते रहते हैं भोजन के बाद परिवार के सदस्यों को ठीक-ठाक कपड़ा पहनने के लिए मिले इसकी व्यवस्था भी काफी कम परिवार बना पाते हैं। मकान बनानें के लिए लाखों की पूंजी एवं भूमि की जरूरत पड़ती है। जिले में काफी संख्या में ऐसे परिवार हैं जिनके पास स्वयं का घर बनाने के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है। ऐसे परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी शासकीय भूमि या फिर वन भूमियों में आबाद हैं। कुछ परिवारों को शासन की योजना का लाभ मिल जाने पर भूमि का पट्टा मिल चुका है तो काफी संख्या में ऐसे भी परिवार हैं जो कि लंबे समय से आवेदन दे रहे हैं लेकिन उन्हें मकान बनाने के लिए भूमि का पट्टा नहीं मिल रहा है।

पन्ना जिले में गरीब एवं अति गरीब परिवारों के समक्ष जो भटकाव बना हुआ है वह खत्म कब होगा इसको लेकर पूरी तरह से अनिश्चितता कायम है। यह अवश्य है कि जिले के अधिकांश लोग यही मानते हैं कि यदि जिले में कोई बड़ा उद्योग धंधा स्थापित हो जाए तो बेरोजगारों की बढ़ती फौज को काम की तलाश में भटकने की मजबूरी खत्म हो जाए। स्थिति यह है कि आज पढ़े, लिखे लोगों से ज्यादा अशिक्षित श्रमिक वर्ग की आमदनी है। इनके मुकाबले पढ़े लिखे लोगों को काम करने के बाद भी काफी कम पारिश्रमिक मिलती है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य में बढ़ रहा ज्यादा खर्च

जिले के अधिकांश परिवार अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनी आमदनी से ज्यादा खर्च कर रहे हैं। गरीब परिवार भी यह चाहता है कि उनके पुत्र एवं पुत्री ज्यादा से ज्यादा शिक्षा प्राप्त कर सकें। पन्ना जिले में स्नातक एवं स्नातकोत्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या हर वर्ष बढ़ रही है। उसके मुकाबले एक प्रतिशत लोगों को भी नौकरी का अवसर उपलब्ध नहीं हो रहा है। शासकीय क्षेत्र में तो नौकरी नहीं मिल रही है। वहीं अशासकीय क्षेत्रों में भी नौकरी के अवसर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने के बाद यहां के युवाओं को 5 हजार रुपए की नौकरी पाने के लिए भी प्रायवेट स्तर पर भटकने की मजबूरी बनी हुई है। जानकारों का कहना है कि शासन द्वारा ऐसी व्यवस्था प्रदेश में लागू नहीं की गई है कि निजी क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को शासन से निर्धारित दर पर आशानी से मजदूरी राशि मिल सके। निजी क्षेत्र में पढ़े-लिखे युवाओं का काफी शोषण हो रहा है और पारिश्रमिक भी काफी कम मिलने से वह घर परिवार चलाने में भी कर्ज का बोझ लादने को मजबूर हैं। बढ़ती जनसंख्या के अनुसार शासन को प्रति व्यक्ति आय बढ़ सके इसके लिए गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। यदि सरकार प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने में लाचार है तो ऐसे लोगों के लिए हर महीने बेरोजगारी भत्ता प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराने के लिए पहल करनी चाहिए। जिससे लोग अपने परिवार का भरण-पोषण आसानी से कर सकें।